(b) if so, the details thereof and the details of roads of Orissa which are proposed to be declared as National Highways during the Eighth Five Year Plan ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER) : (a) and (b) A statement is laid on the Table of the Sabha. (St-e below).

Statement

The State Government of Orissa have forwarded 4 Nos. of proposals for declaration as new National Highways during the 8th Five year Plan, as under :—

S. No.	Name of the road	Length (in Km)
1.	Gopalpur-Berhampur-Aska-Daringibadi - Balliguda - Rampur - Tumudibundh-Amat-Titilagarh - Nawapara - Khariar - Raipur.	436
2.	Panikoili - Keonjhar - Barbil - Koira - Rajamunda upto junction of NH 23.	285
3.	Bhubaneswar to Puri	60
4.	Balasore (on NH 5) - Kharagpur.	57
	TOTAL	838

However, on account of financial stringency under the Central Sector Roads programme, it is difficult to declare new National Highways in any State including Orissa at this stage.

Supply of Natural Gas to Krishak Bharti Co-operative

41. SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR :

SHRI VIREN J. SHAH :

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state : 4—153

RSS/94

(a) whether the Gas Authority of India Limited (GAIL) has restored supply of natural gas to Krishak Bharti Co-operative at its Hazira complex to the original level of 3.9 MCM per day;

(b) whether it is a fact that KRIBHCO has suffered a production loss of 51,600 tonnes of its nitrogenous fertiliser urea valued at Rs. 14.5 crores in 48 days period from 27th December, 1992 when its gas supplies were scaled down from 3.9 MCM to 3 MCM;

(c) if so, what steps Government propose to take to ensure a firm commitment for gas supply of 3.9 MCM to KRIBHCO;

id) whether a fresh agreement is proposed to be signed between GAIL and KRIBHCO in this regard; and

(e) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA) :(a) to (e) The contracted quantity for the supply of gas to KRI-BHCO's Hazira unit is 3 MMSCMD. As supplies of gas to the unit were in excess of the contracted quantities, only the excess production of fertilizer was not possible. Considering the availability of gas ex-Hazira and the allocations already made to other fertilizer plants, no further allocations are feasible at present.

परिवार नियोजन कार्यक्रम

*419. श्री रामजी लाल : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि पिछड़े वर्गों और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति समाज के अन्य वर्गों के लोगों की तुलना में परिवार नियोजन कार्यक्रम पर कम ध्यान दे रहे हैं;

(ख) क्या इस संबंध में कोई सर्वेक्षण किया गया है;

(ग) अन्य वर्गों की तुलना में परिवार नियोजन अपनाने वाले उक्त श्रेणियों के व्यक्तियों का प्रतिशत कितना है और क्या यह प्रतिशत बहुत कम है; यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(घ) विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार नियोजन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने इस संबंध में निगरानी रखने वाली किसी एजेंसी की स्थापना की है और यदि हां, तो उसके क्या परिणाम निकले हैं तथा उनका ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ग) जी, हां । आपरेशन रिसर्च ग्रुप, बड़ौदा द्वारा भारत में परिवार नियोजन पद्धतियों पर किए गए तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार इस समय अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों में किसी भी परिवार नियोजन विधि का प्रयोग करने वाले दम्पतियों की प्रतिशतता 37.5 प्रतिशत है जबकि श्रेणी प्रतिशतता सभी श्रेणियों में 44.9 प्रतिशत है ।

1991 की जनगणना के आधार पर 1981–91 के दशक के दौरान औसत वार्षिक जनसंख्या घातीय वृद्धि दर राष्ट्रीय स्तर पर 2.14 प्रतिशत के मुकाबले अनुसूचित जातियों के लिए 2.7 प्रतिशत और अनुसूचित जनजातियों के लिए 2.29 प्रतिशत है । इसमें असम और जम्मू व कश्मीर राज्य शामिल नहीं हैं ।

(घ) से (ङ) राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों से परामर्श करके एक कार्य योजना तैयार की गई है जिसमें विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार कल्याण सेवाओं की गुणवत्ता और उनकी पहुंच में सुधार करने पर विशेष बल दिया गया है । इसके कार्यान्वयन की प्रगति का समय-समय पर अनुवीक्षण किया जा रहा है ।

अंतर्राष्ट्रीय परिवहन में भारतीय जहाजों का इस्तेमाल

*120. **श्री राम सिंह राठवा** : क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत के अंतर्राष्ट्रीय परिवहन हेतु विदेशी जहाजों पर निर्भर है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान भारत के अंतर्राष्ट्रीय परिवहन में भारतीय जहाजों का प्रतिशत कितना रहा है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर): (क) जी हां ।

(ख) और (ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत के समुद्री व्यापार में भारतीय और विदेशी जहाजों का प्रतिशत हिस्सा इस प्रकार है :—

वर्ष	भारतीय जहाज	विदेशी जहाज
1989–90	35.8	64.2
1990–91 (अनन्तिम)	35.5	64.5
1991–92 (अनन्तिम)	35.9	64.1